कृषिवानिकी संस्थान ने मनाया पृथ्वी दिवस : पृथ्वी ग्रह के संरक्षण हेतु निवेश जरूरी– डॉ. विरादर

झॉसी 22 अप्रैल, 2022। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झॉसी में पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें झॉसी स्थित विभिन्न संस्थाओं के वैज्ञानिकों ने भागीदरी की। इस अवसर पर सेन्टर फार इण्टरनेशनल फोरेस्ट्री एवं अन्तर्राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली में भारत के कन्ट्री डाइरेक्टर डॉ. चन्द्रशेखर एम. विरादर मुख्य अतिथि रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डा. ए. अरूणाचलम ने की। वर्ष 2022 के लिए पृथ्वी दिवस मनाने के लिए **''पृथ्वी ग्रह में निवेश''** को मुख्य विषय बनाया गया है। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. विरादर ने पृथ्वी की जैव विविधता एवं पर्यावरणीय गुणवत्ता के खतरे के बारे में वैज्ञानिक ऑकड़े बताये तथा इसके समाधान हेतु पृथ्वी के संरक्षण एवं वनाच्छादन के लिए अधिकतम निवेश पर बल दिया। उन्होंने सभी श्रोताओं से आह्वान किया कि कृषिवानिकी को बढ़ाने का संकल्प लें जिससे पृथ्वी अथवा वैष्विक मातृ भूमि की जैव विविधता संरक्षित रहे। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना ही मातृभूमि की सेवा है एवं मानव जीवन के अस्तित्व पर आने वाले संकट का निराकरण। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक डा. ए. अरूणाचलम ने संस्थान में जलवायु परिवर्तन, वृक्ष प्रजाति संरक्षण, प्राकृतिक एवं संरक्षित खेती एवं इकोसिस्टम संतुलन की दिशा में हो रहे शोध कार्यों की चर्चा की तथा स्थानीय प्रयासों द्वारा भूमण्डलीय समस्या के निराकरण को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कृषिवानिकी संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, शोध अध्येता, शोध सहायक, यंग प्रोफेसनल्स एवं छात्र–छात्राओं सहित लगभग 70 लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शोवन देवनाथ ने किया।

WELCOME
EARTH DAY 2022
22 APRIL
ICAR-Central Agroforestry Research Institute, Jhansi

WELCOME